RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 17 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 30 सितम्बर 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

गौला को लेकर झपटमारी

अदने से अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से फटकार समस्या का समाधान नहीं हो सकता है

बरसात में सड़क कटने के बाद विधायक सवाल उठा रहे हैं, सरकार ने दिये हैं निर्देश और प्रशासन बना रहा है आने वाले दिनों की रणनीति

कार्यालय प्रतिनिधि

हल्द्वानी। पुराणों में वर्णित गार्गी नदी जिसे गौला नदी के नाम से जाना जाता है, लाखों लोगों की जीवनदायिनी है लेकिन इसे चीरने-फाड़ने के लम्बे खेल में कई कसरत देखने को मिलती रही हैं। गौला को लेकर होती रही झपटमारी में कुछ लोग अरबपति बन गये और उनके खाते में ट्रक, डम्फर, जेसीबी, आलीशान भवन, स्टोनक्रेशर, होटल और भी न जाने कितना कुछ जुड़ गया। इस चीर-फाड़ में नेताओं के आलावा कई अधिकारियों ने हाथ आजमाया।

नदी है, चाहे जिधर को मोड़ो, चाहे जिधर से निर्माण कार्य शुरू कर दो, चाहे जिस ओर अतिक्रमण कर डालो, चाहे जितना खनन कर लो.....समय आने पर प्रकृति बदला ले ही लेती है और नदी निश्चित समय पर अपना रास्ता बनाती रहती है। ऐसा ही विगत दिनों फिर से हुआ है। हल्द्वानी में गौला नदी से लगते मार्ग का हिस्सा नदी में समा गया और गौला पुल का पुश्ता टूटने से हड़कम्प मचा। हल्द्वानी-सितारगंज रोड पर बने गौलापुल का पुश्ता भारी बारिश से उफनाई नदी के बहाव में बह गया। ऐसे में गौलापार, चोरगलिया, सितारगंज, बनबसा, टनकपुर, चम्पावत को जाने वाले वाहनों को दूसरे मार्ग से भेजा जा रहा है।

गौला को लेकर वर्षों से हो रही झपटमारी की कहानी बहुत लम्बी है फिलहाल अभी ताजा घटना का उल्लेख किया जा रहा है। गौलापुल के ऊपर अवैध खनन की मार पड़ती है। पुल के पिलर के पास अवैध खनन की शिकायत कई बार हुई है। वर्ष 2008 में गौलापुल पूरी तरह से टूट गया था। बाद में वुडहिल कंस्ट्रक्शन कम्पनी से 315 मीटर लम्बे पुल का निर्माण यिका और वर्ष 2013 में पुल पूरी तरह तैयार हुआ। पुल निर्माण में करीब 19.77 करोड़ रुपये खर्च हुए। अभी पुल बने कुछ वर्ष ही हुए थे कि वर्ष 2018 में पुल में दरार पड़ गई। 19 अक्टूबर 2021 को आई आपदा के दौरान भी पुल की एप्रोच सड़क बह गई थी। इस बार 14 सितम्बर को पुल की एप्रोच सड़क एक बार फिर बहने से सम्बन्धित विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े हुए हैं। पुल की मजबूती के लिये करीब 23 करोड़ रुपये से कार्य होना है। यह कार्य मानसून से पहले पूरा होना था लेकिन टेंण्डर प्रक्रिया अब पूरी हो पाई है।

गौला नदी से हुए कटाव के बाद रेलवे अधिकारियों और आईआईटी की टीम ने हल्द्वानी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और ट्रैक को बचाने के लिये किय जा रहे निर्माण कार्य और नुकसान का जायजा लिया। तीन साल पहले आई आपदा में गौला नदी से सअै रेलवे स्टेशन के ट्रक नम्बर तीन के नीचे भूकटाव के करण ट्रेनों का संचालन बन्द हुआ था। पिछले साल फिर से बारिश में भूकटाव से लगभग सौ मीटर का हिस्सा प्रभावित हुआ था। इसके बाद ट्रैक बचाने को अन्दर से वायरक्रेट बनाकर रिर्टनिंग वॉल का निर्माण किया गया। अब इस बार हुई मूसलाधार बारिश के बाद फिर से नुकसान हुआ है। तकीनीकी लोग अपनी ओर से इसकी जड़ जमाने का

शेष पृष्ठ 2 पर

भूकटाव से अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम के मानक कैसे पूरे होंगे

पि.हि. प्रतिनिधि

हल्द्वानी। अन्तर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स गौलापार के भीतर बनाए गए क्रिकेट स्टेडियम पर इंटरनेशनल का दर्जा का दर्जा छिनने की बात कही जा रही है। इसके पीछे कारण गौला नदी के कटाव की वजह से दो हेक्टेयर जमीन का जमीदोज होन जाना है। मानकों के अनुसार 35 हेक्टेयर जमीन पर इसे बनाया गया था। बीते दो वर्षों में गौला नदी के कटाव से क्रिकेट स्टेडियम के पश्चिमी ओर पर बनी दर्शक दीर्घा के पार्किंग और गेट नम्बर दो की एप्रोड रोड का बड़ा हिस्सा भी नदी में समा चुका है। 190 करोड़ की लागत से बने अन्तर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स को गौला नदी 2023 से नुकसान पहुँचा रही है।

गौलापुल और अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम में हुए नुकसान के बाद विधायक सुमित हृदयेश स्थानीय लोगों के साथ निरीक्षण करने पहुँचे। विधायक ने स्टेडियम का निरीक्षण करते हुए सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्टेडियमको बचाने के लिए इस बार मजबूत प्रयास करने होंगे क्योंकि डेढ़ माह पूर्व सिंचाई विभाग ने जो आपदा राहत का काम किया था वह क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

इस बीच खेल विभाग ने बही जमीन के बदले भूमि की मांग की है। गौल के बहाव में अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम में काफी नुकसान पहुँचा है। स्टेडियम की करीब दस एकड़ जमीन जमीन गौला में समा चुकी है। सिंचाई विभाग ने स्टेडियम के बचाव के लिये टेंण्डर पास कराने के प्रक्रिया शुरू की लेकिन खेल विभाग अपनी बही जमीन को फिर से वापस मांग रहा है। अब इन प्रस्तावों के बीच क्या कुछ होगा यह आने वाले दिनों में पता चलेगा।

पुनर्निर्माण कार्यों के लिये 63 करोड़ खर्च होंगे

हल्द्वानी। गौला नदी के बहाव में हुए नुकसान का जो आंकलन किया गया है उसमें रेलवे, एनएचएआई, सिंचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग की सम्पत्तियों में 15 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। सबसे अधिक नुकसान पुल को हुआ है। अब माना जा रहा है कि पुनर्निर्माण के लिये 63 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मूसलाधार बारिश के दौरान नदी ने 80 प्रतिशत कार्यों को नुकसान किया। बताया जा रहा है कि स्टेडियम को बचाने के लिये 20 करोड़ रुपये का प्रस्ताव फाइलों में हैं। भूकटाव से चोरगलिया रोड कई जगह धंसी है। 2004 में इसे बनाने के लिये 4 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। अब इसे बनाने के लिये 15 करोड़ से अधिक खर्च का अनुमान है। 2021 में गौला पुल को की एप्रोच रोड बहने से इसकी मरम्मत में 9 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। अब दोबारा एप्रोच रोड व पुल के पुश्ते को नुकसान पहुँचा है, इस सुरक्षा कार्य के लिये 28 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

महिलाओं पर अत्याचार

उत्तराखण्ड में नफरत द्वारा महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों को छुपने का प्रयास मानते हुए देशभर के महिला संगठन एवं जन संगठनों ने राज्यपाल को के नाम खुला पत्र लिखा है। 18 राज्यों से 53 महिला एवं जन संगठनों के साथ सौ आन्दोलनकारियों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों ने उत्तराखण्ड के राज्यपाल के नाम खुला पत्र लिखते हुए कहा है कि उत्तराखण्ड सरकार और सत्ताधारी भाजपा नफरती हिंसा फैला कर महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों को छुपाने की कोशिश कर रहे हैं।

आखिर सरकार और सत्ता पक्ष के खिलाफ आरोप लगाते हुए ऐसा गुस्सा क्यों? इसकी तह में जाएं तो पता चलता है कि अधिकांश मामलों में जिस प्रकार के नाम उजागर हुए हैं वह इनसे जुड़े हुए पाए गए। जब ऐसा हुआ है तो तुरन्त कार्रवाई भी होनी चाहिये थी लेकिन मदमस्त दंबगों के आगे जनता का प्रदर्शन भी बौना होता दिखाई देता रहा है। शायद यही कारण है कि महिला संगठनों ने एकजुट होकर अपनी बात रखी है। राज्यपाल को भेजे गये खुले पत्र में हस्ताक्षरकर्ताओं ने कहा है कि इस पर्वतीय प्रदेश में बीते कुछ सप्ताहों में महिलाओं पर अत्याचार की कई घटनाएं हुई हैं, जिसमें रुद्रपुर, देहरादून, सल्ट और लालकुआं की घटनाएं शामिल हैं। सबसे ज्यादा चिन्ताजनक बात है कि सल्ट और लालकुआं में सत्ताधारी भाजपा नेता आरोपित हैं। लेकिन पहले पुलिस ने इन आरोपियों को गिरफ्तार तक नहीं किया फिर उनपर हल्की धाराएं लगा रही है। दूसरी ओर इन्हीं सप्ताहों में चन्द संगठन एवं व्यक्ति कीर्तिनगर, चमोली, रुद्रप्रयाग, देहरादून और अन्य जगहों में महिलाओं के बहाने धर्म के आधार पर बेकसूर लोगों पर हमले किये हैं। 2023 में पुरोला में भी ऐसे ही आपराधिक अभियान चलाया गया था और बाद में पता चला कि कथित छेड़छाड़ की घटना पूरी तरह से फर्जी है।

यह सब क्या हो रहा है? अपने समाज को भयमुक्त बनाने और देश-प्रदेश को व्यभिचार, आतंक, लूट, बदमाशों से बचाने के लिये साफ मन से कार्य होने चाहिये। कुछ मामलों में महिला भी दोषी पाई गई हैं, वह महिला होने का लाभ लेते हुए आरोपित करती हैं। इस प्रकार के सभी मामलों का समाधान कड़े नियम का पालन करते हुए तत्काल किया जाए तो बात बने।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

न्यूयॉर्क मंदिर में तोड़फोड़, दूतावास ने की निंदा

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने यहाँ मेलविले में बीएपीएस स्वामीनारायण मन्दिर में तोड़फोड़ की निन्दा करते हुए इस मामले को अमेरिकी कानून प्रवर्तन अधिकारियों के समक्ष उठाया है। दूतावास न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के सम्पर्क मे है और अपराधियों पर कार्रवाही को कहा है।

इमरान खान पर नहीं चलेगा सैन्य मुकदमा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने यहाँ उच्च न्यायालय को सूचित किया है कि जेल में बन्द पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर सैन्य मुकदमे का विचार नहीं है। इससे कुछ दिन पहले ही अदालत ने इस मुद्दे पर अनिश्चितताको लेकर सरकार से स्पष्टीकरण देने को कहा था।

जल संधि पर पाकिस्तान को नोटिस

नई दिल्ली। भारत ने 64 साल पुरानी सिन्धु जल सन्धि की समीक्षा के लिए पाकिस्तान को नोटिस भेजा है। जिसमें उसने परिस्थितियों में आए भौगोलिक और अप्रत्याशित बदलावों और सीमा पार से लगातार जारी आतंकवाद के प्रभाव का हवाला दिया है। बताते चलें कि भारत-पाक ने 9 साल की बातचीज के बाद 19 सितम्बर 1960 को सिन्धु जल सन्धि पर हस्ताक्षर किये थे।

ब्रिटेन का सभी से ई-बीजा अपनाने का आग्रह

लन्दन। ब्रिटेन ने एक बड़ा अभियान शुरू करते हुए भारतीय सहित देश भर में रह रहे सभी प्रवासियों से आग्रह किया है कि वे आव्रजन दस्तावेज का उपयोग करने के बजाए ई-बीजा को अपनाएं। ब्रिटेन की सीमा एवं आव्रजन प्रणाली पूरी तरह से डिजिटल बनाने की योजना चल रही है।

मिसाइल प्रक्षेपण का जापान किया विरोध

जापान सरकार ने उत्तर कोरिया के समक्ष मिसाइल प्रक्षेपण को लेकर कड़ा विरोध दर्ज किया है और कहा वह इस तरह की कार्रवाई को न केवल जापान बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए सुरक्षा खतरा मानती है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मिसाइल प्रक्षेपण अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय की शान्ति के लिये खतरा है।

सलीम खान को गैंगेस्टर का नाम लेकर धमकी

मुम्बई। बांद्रा इलाके में अभिनेता सलमान खान के पिता और लेखक सलीम खान को धमकाने के बाद एक पुरुष और बुर्का पहने हुए एक महिला को हिरासत में लिख गया। बताया गया है कि गैंगेस्टर लारेंस विश्नोई का नाम लेकर सलीम खान को धमकी दी गई थी।

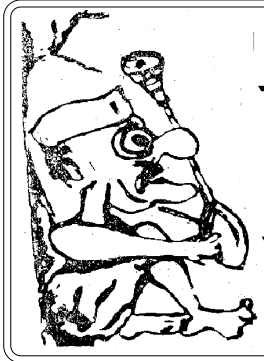

फसक

दाज्यू, गाँव से लेकर दिल्ली तक डोयाट हो रही ठैरी

सारे कर्म और दुष्कर्म यहीं हो रहे हैं रहे हैं बल

दाज्यू, श्री तिरुपति वेंकटेश्वर मन्दिर का प्रसादम लड्डू गाय की चर्बी, मछली के तेल से बन रहा था बल। प्रयोगशाला में इसकी पुष्टि हुई। दाज्यू, ये सब पगलयोट् पहले से हो रही है। कोचाकोच भीड़ में शुद्धता कहाँ से लाओगे? गू-कचार जो मिल रहा है सब बाजार में सजा दिया गया है। तभी तो कर्म से ज्यादा कुकर्म होने लगे हैं। भगवान बचाए इन सबसे।

एक देश-एक चुनाव पर केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की की मुहर के बाद अपना भिक्कू और जन्तर सिंह चुनाव लड़ने की जिद करने लगे हैं। कह रहे थे- 'परिणाम चाहे जो हो, विधायक और सांसद का पर्चा तो भरना ही है।' दिल्ली में केजरीवाल के इस्तीफे के बाद आतिशी के मुख्यमंत्री बनते ही अपना जन्तर सिंह आम आदमी पार्टी का ग्रामीण मण्डल मंत्री बन गया है। कह रहा था- 'क्रान्ति के लिये मशाल जल रही है। गाँव में पार्टी विस्तार करूंगा।' दाज्यू, रामलीला भी शुरू होने वाली है, हमारी समझ नहीं आ रहा है जन्तर सिंह क्या करने वाला है। पहले दूसरी पार्टियों में रहकर भी इसने क्रान्ति का नारा दिया था और भग्गू की दुकान में ताले पड़ गये थे। दाज्यू, सुप्रीम कोर्ट ने 'बुलडोजर कार्रवाई' पर रोक लगाते हुए जो सन्देश दिया है उससे भी जन्तर सिंह प्रभावित है। शीर्ष कोर्ट ने विशेष शक्तियों का प्रयोग करते हुए कहा था- 'इस तरह की कार्रवाई का महिमा मण्डन नहीं किया जाना चाहिए। दाज्यू, प्रधानपति बब्बू भी बात-बात पर बुलडोजर की बात करता था, आजकल शान्त बैठा हुआ है। दुनियादारी में कभी कुछ तो कभी कुछ लगा रहता है। सारे कर्म और दुष्कर्म यहीं हो रहे हैं बल। धारचूला तहसील निवासी एक व्यक्ति और उसकी पत्नी ने एसपी कार्यालय में जाकर बताया कि बैंककर्मी ने नौकरी लगाने का झांसा देकर शारीरिक शोषण किया और राजनीतिक दबंगता दिखा रहा है। हरिद्वार में नकली नोट छापने वाले गिरोह का भण्डाफोड़ हुआ और 6 लोग पुलिस ने पकड़े हैं। ये सभी यूपी के शांहजहांपुर, हापुड़, सहारनपुर, देवबन्द के हैं। दाज्यू, गजब ही हो रहा ठैरा। हल्द्वानी के बनभूलपुरा में मौजी भांजी को लेकर फरार हो गई। बहन की रिपोर्ट के बाद पुलिस अपने काम में जुटी है। शहर में अन्तराज्यीय ऑटो लिफ्टर गैंग के 6 सदस्य गिरफ्तार हुए हैं। गैंग के एक सदस्य कुबेर ने बताया कि प्रेमिका की मौत के बाद वह नशेड़ी और नशे के लिये चोर बन गया।

दाज्यू, नशा चाहे किसी प्रकार का हो, वह हद पार करवा के ही दम लेने वाला ठैरा। हल्द्वानी के गोविन्दपुर निवासी सरदार जी लग्जरी कार से शराब तस्करी करते हुए पकड़े गये। पेशेवर तस्कर अमनजोत लग्जरी कार में महंगी शराब इधर-उधर सारता था बल। दाज्यू, और ही और हो रही है। यौन उत्पीड़न के आरोप में एक साल से हल्द्वानी उपकारागार में बन्द श्याम सिंह धानक को बन्दियों का शिक्षक बनाया गया बल। 2023 में मूक-बधिर एवं दिव्यांग बच्चों की संस्था के संचालक धानक को यौन उत्पीड़न में बन्द किया गया था, वह अपने बैरक में बैठकर पढ़ाई कराता है और बेहतर भविष्य की सीख देता है। दाज्यू, हरज्यू कह रहे हैं कि कहीं अल्मोड़ा जेल में पीपी की तरह धानक भी तो बाहर आने का जुगाड़ बना रहा होगा। दाज्यू, सब डोयाट ही ठैरी। इधर रहो या उधर। गौलापार स्थित राजकीय डिग्री कालेज की एक शिक्षिका पर प्रथम करने के लिये रिश्वत लेने का आरोप लगा है। छात्र संघ ने ज्ञापन देते हुए उन्हें हटाने को कहा है। दाज्यू, प्रेक्टिकल आदि के नाम पर चूरन-बूटी लेने वाले और भी हैं बल। जड़ से ही सुधार करने की जरूरत है।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

गौला को लेकर.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्रयास कर रहे हैं।

देखने में यह आ रहा है कि गलती चाहे जिसकी हो या प्रकृति का कहर हो, नेतागण मौका मिलते ही मांचा खोल देते हैं और जेई, एई सहित अधिकारियों पर गरजते हैं। यह देखकर की मीडिया वाले सामने हैं तो नेता और भी जोर-जोर से फटकारना शुरू कर देते हैं। अपने समर्थकों के साथ जिस प्रकार से वह गरजते हैं बेचारा कर्मचारी क्या करे? ध्यान रहे अदने से अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से फटकारना समस्या का समाधान नहीं हो सकता। इसके लिये समस्या की जड़ में जाना होगा। गौला नदी को अविरल स्वच्छ बनाने के साथ ही इसको वैज्ञानिक तरीके से ढालना जरूरी है ताकि भविष्य में इसका खूब लाभ हो और प्रकृति की इस धरोहर की चीर-फाड़ न हो जिससे की यह भी अपनी उग्रता दिखाने लगे।

गौला पुल पर खतरे की सूचना मिलते ही सांसद अजय भट्ट ने निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिये। इससे पूर्व जिलाधिकारी रात्रि में ही निरीक्षण कर चुकी थीं और प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना रहा। अगले दिन विधायक सुमित हृदयेश पूरे दलबल के साथ गौला पुल का निरीक्षण करने पहुँचे और मौके पर मिले विभाग के लोगों को खरी-खरी सुनाने लगे। उनका कहना था कि आखिर विकास के नाम पर क्या हो रहा है? लाखों करोड़ों रुपये खर्च के बाद भी जनहित में लाभ नहीं हैं। इस प्रकार के निर्माण में विशेषज्ञों की राय ली जानी चाहिये। सुमित ने गौलापुल के कार्यों की उच्चस्तरीय जाँच की मांग की। पुल बन्द होने से गौला वार-पार लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लालकुआं विधायक डॉ.मोहन बिष्ट ने भी निरीक्षण करते हुए एनएचएआई के अधिकारियों से कहा कि किसी भी तरह 15 दिन में एप्रोच रोड बनाकर हल्के वाहन के लिखे खोलें। फिलहाल मामले में विधायक के सवाल, सरकार के निर्देश के अलावा प्रशासन आने वाले दिनों के लिये रणनीति बना रहा है। पुल और इस मार्ग का स्थायी समाधान क्या हो इस पर तैयारी की बात हो रही है।

मुख्य सचिव बोलीं कहा शासन गम्भीर

देहरादून। अन्तर्राष्ट्रीय खेल स्टेडियम की सुरक्षा को लेकर शासन गम्भीर है। शासन ने राज्य आपदा मोचन निधि के अन्तर्गत डीएम को एक व मण्डलायुक्त को 5 करोड़ रुपये तक की सुरक्षा योजना की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के अधिकार के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सचिवालय में राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक में राज्य आपदा मोचन निधि एवं राज्य आपदा न्यूनीकरण के विभिन्न प्रस्तावों का अनुमोदन किया।

गौलापुल के लिये नए सिरे से रिपोर्ट

हल्द्वानी। गौला पुल की एप्रोच सड़क बहने के बाद एक बार फिर से आईआईटी रुड़की की टीम ने गौला पुल का निरीक्षण किया। टीम अब नए सिरे से रिपोर्ट बनाएगी। माना जा रहा है कि पुरानी रिपोर्ट के आधार पर की गई टेण्डर प्रक्रिया निरस्त हो सकती है। इस प्रोजेक्ट पर काम करने के लिये इस साल अप्रैल माह में टेण्डर प्रक्रिया शुरू की गई थी लेकिन टेण्डर नहीं हो पाया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

इतिहास

जोहार में माँ नन्दादेवी अष्टमी पर्व का प्रचलन और प्रारम्भ

जगदीश सिंह बृजवाल

हिमालय पुत्री माँ नन्दा देवी जिसका एक और रूप वेद-पुराण में भी उल्लेखित माँ दुर्गा का अन्य रूप शैल पुत्री भी कही जाती है। गौरी, पार्वती के रूप में भी मान्यताएं हैं।

कत्यूरी राजवंश में राजराजेश्वरी से सम्बोधित माँ नन्दा देबी तथा कार्तिकेयपुर के राजा किर्ती बर्मन की पत्नी का नाम नन्दा जो नन्दा देवी पर्वत की ओर विहार पर जाती थी।

चंद शासन काल में विजय की देबी रणचण्डी जिसे भैंसा व बकरे की बलि दी जाती थी। यह भी मान्यता है कि नन्दा-सुनदा दो बहनों ने चंदवंश में जन्म लिया था। कहते हैं, जब चंदों की दो बहनें मन्दिर को जा रहे थे तभी राक्षस ने भैंसा के रूप धारण कर दोनों बहनों का पीछा किया, दोनों बहनें जब कदली के पेड़ के पत्तों के पीछे छिप गई, बकरी ने आकर पत्तल को खा दिया, दोनों को भैंस ने मार डाला। जो भूत पूतन के रूप में पूजे जाने लगी थी।

नवीं शताब्दी में गढ़वाल के चाँदीपुर के राजा ने नन्दा देवी को बारह वर्ष बाद अपनी पीहर (ससुराल) भेजने की यात्रा का श्रीगणेश किया था, जिसमें 22 पड़ाव तथा 280 किमी धार्मिक यात्रा की जाती है जिसमे चौसिंगा भेड़ सामग्री लिए भी साथ चलता है। माँ नन्दा के सातों बहनों के छंतोला (डोली) भी साथ-साथ चलती रहती हैं।

माँ नन्दा देवी के पूजा अर्चना का विधि विधान अपने-अपने सांस्कृतिक तौर-तरीक किया जाता है। सम्पूर्ण कुमाऊँ गढ़वाल के पहाड़ी क्षेत्रों में माँ नन्दा देवी पर बहुत बड़ी आस्था है। यह संरक्षण, पर्यावरण की देवी है, जिनका एक दूसरे सभी प्रतिस्थापित मन्दिर से सम्बन्ध है।

जोहार घाटी में नन्दा देवी मन्दिर प्रतिष्ठापित का मुख्य कारण अपनी संस्कृति को अपने करीब बनाए रखना चाहते थे।

16 वीं शताब्दी में जब जोहार घाटी में आधुनिक जोहारियों का आगमन होता रहा तो उनके सांस्कृतिक मान्यताओं का भी घाटी प्रचलन लाजमी था। अपनी संस्कृति को लोग खोना भी नहीं चाहते थे। सबसे पहले पांछू गाँव के एक बुजर्ग व्यक्ति धरमू नितवाल द्वारा लाता गढ़वाल नदा देबी के मन्दिर से लिंगात्मक पत्थर के टुकड़े को चुपके से तोड़कर जोहार पांछू में लाया गया, तभी से पांछू में नन्दा देवी अष्टमी पर्व मनाये जाने का प्रचलन हो गया था। पाछू व मिलम के लोग आपसी रक्त सम्बन्ध भी रखते हैं, जिस कारण मिलम के मिरम्वाल लोग पांछू पूजा में ही सम्मिलित होते रहते थे कुछ समय बाद पछपाल, मिलम्वालों का आपसी विवाद हो जाने के कारण मिलम के धामी कुजरिया ने पांछू के मन्दिर से निशान व लिंगात्मक पत्थर का टुकड़ा

लेकर मिलम में भी नन्दा देवी मन्दिर को स्थापित किया। तब से आज तक नन्दा देवी अष्टमी का उत्सव मिलम में भी मनाया जाता है।

मर्तोली जोहार के मन्दिर के विषय में कहा जाता है कि यहाँ मन्दिर के गर्भगृह में उत्पन्न फुलिंग चमत्कारिक रूप में माँ नन्दा देवी का साक्षात दर्शन, जिसकी महिमा मण्डन सम्पूर्ण जोहार में असीम आस्था केन्द्र बन गया था।

सन् 1960-70 के दशक में एक सन्यासी स्वामी जी द्वारा कठोर साधना करते भी इस मन्दिर में कई वर्ष व्यतीत किया गया था। शीतकाल में मुनस्यारी क्षेत्र में प्रवास पर आ जाते थे परन्तु कुछ वर्ष स्वामी जी ने घनघोर हिमपात में भी अति शीत प्रधान क्षेत्र जोहार मर्तोली मन्दिर में ही ठहराव किया था, वह उनका तप व साधना का हिस्सा था। जिससे आत्मज्ञान, आत्मबल की प्राप्ति की हुई होगी। लोग समय रहते स्वामी जी को समझ न सके। अन्ततः स्वामी जी जोहार, मुनस्यारी को त्यागकर अन्यत्र चले गए.

जोहार घाटी के कुछ अन्य गाँवों में भी नन्दा देवी की पूजा-अराधना की जाती है। बिल्जू, गनघर, रिलकोट, मापा, लास्पा किन्तु सभी मन्दिर प्रतिष्ठापित किये जाने में अवश्य एक-दूसरे मन्दिर से कुछ न कुछ सम्बन्ध अवश्य रहा है।

जोहार घाटी में नदा देबी की पूजा -अराधना पारम्परिक विधि-विधान से होती है किन्तु जिस स्थान से जोहार में नन्दा देवी पर्व की शुरुआत हुई, वहाँ आज भी रात्री में ही पूजा-पाठ करने का प्रचलन है उसके अतिरिक्त बिल्जू में भी रात्रि को ही नन्दा देवी की पूजा-अर्चना का चलन है। लोगों से जानकारी लेने पर लोगों का कथन है- नन्दा देवी द्वारा गाँव में रात्रि विश्राम से जोड़ा जाता रहा है, जिसमें यथार्थता कम दिखती है।

पांछू के बुजर्ग व्यक्ति धरमू नितवाल द्वारा जो कृत शायद लाता के नन्दा मन्दिर से लिंगात्मक पत्थर का टुकड़ा तोड़कर जोहार पांछू में लाया गया विषय कुछ सन्देहास्पद था। जिस कारण सारी पूजा -पाठ का कार्यक्रम रात में ही करना उचित समझा हो। बिल्जू में भी पाछू की सी स्थिति बनी है, जिसे और भी अच्छी प्रामाणिकता के साथ जानने की जरूरत है।

माँ नन्दा देवी अष्टमी का पर्व भादो महीने के शुक्ल पक्ष मनाया जाता है पूजा-पाठ का जो विधि विधान से ही सम्पन्न किया जाता है। बलि प्रथा बकरे की थी जाती है। धामी के आह्वान पर सभी कार्यक्रम रात्री में नौर्त से (जागरण) चारों ओर माहौल गाजे-बाजे, झांझर, तुरही, भांकरा (एक लम्बी सी तांबे धातू का मुंह की तरफ पतला आगे का भाग चौड़ाई लिए मोटी आवाज का वाद्ययंत्र है) की गूंज जो अपनी लोक संस्कृति की झलकियां, गीत-संगीत से खुशनुमा माहौल ''छिलाऽऽऽ ते देबीक सेवा कौंल बरस दिना'' संस्कृति के बीच भावुकता का क्षण मन में उत्पन्न दूर अन्तर्ध्यान होकर अतीत का स्मरण करता है। पुजारी द्वारा मन्दिर के शुद्धीकरण हेतु समय-समय हवा में गौमुत्र का छिड़काव करना तथा तभी समयानुसार देव-देवी अवतरण सभी लोग हाथ जोड़कर धूनी (अग्निकुण्ड) के चारों ओर खड़े देव-देवी वाणी का इन्तजार करते आस्था बनाते हैं, विश्वास आत्मबल से हर कोई प्रसन्न मुद्रा में दिखाई देते हैं। असीस (प्रसादी) ब्रह्मकमल फूल आदि प्राप्त तथा भोजनादि के पश्चात धामी के आह्वान पर समापन। गाजे-बाजे के साथ घर वापसी, अगले वर्ष फिर पम्परा को निभाने का वादा कर सभी को शुभकामनाएं सहित विदाई दी जाती है, जो जनजाति समुदाय की सांस्कृतिक समृद्धता युगों-युगों से आज भी स्पष्ट दिखाई देती है। अपनी विशिष्टता की पहचान तथा गौरव भी है।

ज्योतिष की बातें- 197

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य किसी भी ग्रह का गोचर परिवर्तन नहीं हो रहा है। सम्पूर्ण सप्ताह बुध अपनी उच्चराशि कन्या में, शनि मूलत्रिकोण राशि कुम्भ में, शुक्र स्वराशि तुला में, सूर्य समराशि कन्या में, मंगल व गुरु शत्रुराशि मिथुन व वृषभ में क्रमशः, तथा चन्द्रमा इस सप्ताह सिंह, कन्या, तुला व वृश्चिक राशि में क्रमशः गोचर करेंगे।

पितृ विसर्जन- सूर्योदय व्यापिनी आश्विन कृष्णपक्ष अमावस्या तिथि में पितृ विसर्जन किया जाता है, तदनुसार बुधवार 2 अक्टूबर 2024 को पितृ विसर्जन किया जाएगा ।

नवरात्रि प्रारम्भ - आश्विन शुक्लपक्ष प्रतिपदा सूर्योदय व्यापिनी तिथि में कलश स्थापना के साथ नवरात्रि का पर्व प्रारम्भ होता है। अतः गुरुवार 3 अक्टूबर 2024 को नवरात्रि का पर्व प्रारम्भ होगा। अगले 9 दिन दुर्गा जी का पूजन अर्चन विधि विधान से संयमपूर्वक करना चाहिए ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 88

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद अंग्रेजियत

अधिकतर लोगों का मानना है कि अंग्रेजों के 200 वर्ष के शासन के कारण ही अपने देश में अंग्रेजियत आई है। जबकि ऐसा नहीं है। जब तक अंग्रेजों का शासन रहा तब तक इस देश में भारतीय संस्कृति सभ्यता ही बनी रही। हिन्दी भाषा से लोगों को प्यार था, संस्कृत जानने वाले भी लोग थे, आयुर्वेदिक कॉलेज बहुत बड़ी संख्या में थे, संस्कृत का पठन-पाठन पूरे देश में व्यापक रूप से होता था, इंग्लिश मीडियम के स्कूल बिल्कुल भी नहीं थे। भारतीय संस्कृति, पर्व त्यौहारों, परम्पराओं पर लोग गर्व करते थे। अंग्रेजजों से लोहा लेने वाले सेनानियों ने देश में भारतीय संस्कृति को बचाए रखा। आजादी के बाद जो नेता हुए, वे सभी इंग्लैण्ड यूरोप को भारत से अच्छा मानते थे। अंग्रेजी भाषा, रंग-रूप, उनकी संस्कृति-सभ्यता, उनके त्यौहार, उनका चाल-चलन, वहाँ का औद्योगिकीरण, उनकी चिकित्सा पद्धति, बातचीज करने का तरीका, खाने-पीने का तरीका, हाय-बाय करना, हैप्पी बर्थडे पर मोमबत्तियाँ बुझाना, दारू पीकर डांस करना आदि आदि अपने यहाँ की भारतीय संस्कृति में श्रेष्ठ मानते थे। इस कारण स्वतंत्रता मिलते ही अंग्रजियत का सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर तेजी से प्रचार-प्रसार करना प्रारम्भ किया। पिछले दस पन्द्रह वर्षों में तो अत्यधिक तीव्र गति से अंग्रेजियत का प्रसार हो रहा है। अब तो घर-घर में और रग-रग में अंग्रेजियत बस चुकी है। अब भारत का व्यक्ति नाममात्र का भारतीय अर्थात् हिन्दू बचा है।

अब यदि जरा भी देश, धर्म व संस्कृति से प्यार है तो अंग्रेजियत का यथाशीघ्र त्याग करने का प्रयास करना चाहिए, अंग्रेजों को दोष देना व्यर्थ है।

-सरल

मंदाकिनी किनारे बनी जिले की पहली मरीन ड्राइव आकर्षण का केन्द्र

रुद्रप्रयाग। डीएम डॉ.नीरज गहवार के नेतृत्व में केदारघाटी के केन्द्रबिन्दु और जिले का शिक्षा हब कहे जाने वाले अगस्त्यमुनि का कायाकल्प होता दिखाई दे रहा है। डीएम की पहल पर विजयनगर झूलापुल से पुराना देवल तक मन्दाकिनी नदी किनारे निर्मित मरीन ड्राइव का जनता खूब आनन्द ले रही है। इसके अलावा अगस्त्यमुनि वासियों को जाम से निजात दिलाने के लिए दो-दो स्थानों पर पार्किंग का निर्माण करवाया गया है।

केदारघाटी का अगस्त्यमुनि बाजार रुद्रप्रयाग जनपद का शिक्षा का हब कहा जाता है। यहाँ पीजी कालेज होने के साथ ही केन्द्रीय विद्यालय और तमाम प्राइवेट शिक्षण संस्थान मौजूद हैं। जिले का सबसे बड़ा खेल मैदान भी इसी शहर में मौजूद है। नगर पंचायत अगस्त्यमुनि के विकास में डीएम डॉ.गहवार जिस प्रकार से लगे हैं, उनकी सर्वत्र प्रशंसा हो रही है। यहाँ मरीन ड्राइव के निकट ही विजयनगर झूलापुल पर खूबसूरत लाइटिंग भी की गई है।

जनजातीय बहुत गाँव की दिशा सुधरेगी

उत्तरकाशी। केन्द्र सरकार की ओर से कई गई प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के तहत जिले के वीरपुर एवं बगोरी गाँव का चयन किया गया है। इस महत्वाकांक्षी योजना के अन्तर्गत इन ग्रामों में समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार की दिशा में कार्य किया जायेगा।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मिलम सड़क का निर्माण जल्द हो

मुनस्यारी। सड़क परिवहन राज्यमंत्री अजय टम्टा ने बीआरओ को चीन सीमा को जोड़ने वाली मुनस्यारी-मिलम सड़क का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये हैं। मंत्री ने रड़गाड़ी पहुँचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए कहा यह सड़क सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

गणाईगंगोली में दु:खद घटना

गंगोलीहाट। गणाईगंगोली डम्पर हादसे में पिता के बाद पुत्र ने भी दम तोड़ दिया। पध्या निवासी शिवराज सिंह डोबाल सेराघाट से गणाई की ओर आते समय डम्पर को बेक कर रहे थे, वाहन खाई में गिर गया था। इसमें शिवराज की दर्दनाम मौत हुई, 9 वर्षीय पुत्र वैभव को बरेली रेफर किया गया जहाँ उसने दम तोड़ दिया। बेटी दीक्षा घायल है।

अस्कोट में पानी व सड़क की मांग

अस्कोट। क्षेत्रवासियों ने पानी और सड़क की मांग को लेकर सीएम से देहरादून में मुलाकात की। कहा कि क्षेत्र के दूरस्थ गाँवों के ग्रामीणों को आवाजाही के लिये खच्चरों का सहारा लेना पड़ रहा है। ग्रामीण एकता मंच के संयोजक तरुण कुमार पाल के नेतृत्व में शिष्टमण्डल ने कहा कि दयाकोट, कन्तोली राजी जनजाति बस्ती अभी तक सड़क के लिये तरस रही है। गोरी नदी में लिफ्ट पेयजल योजना का निर्माण होना आवश्यक है।

छात्रावास में अनुशासन के लिये और सख्ती

हल्द्वानी। राजकीय मेडिकल कालेज के छात्रावासों में नया नियम जारी करते हुए कहा गया है कि इसमें रहने वाले छात्र छात्राएं एक-दूसरे के छात्रावासों में नहीं जाएंगे। अनुशासन के लिये सख्ती करते हुए कालेज प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। प्राचार्य अरुण जोशी कहते हैं कि मेडिकल कालेज के अन्दर माहौल को पूरी तरह अनुशासित बनाने के लिये कई कदम उठाए जा रहे हैं।

बाटनगाड़ में 610 मीटर लम्बा पुल बनेगा

टनकपुर। पूर्णागिरी धाम के बाटनगाड़ में डिजाइन, मृदा परीक्षण आदि का कार्य पूरा हो गया है। अब कार्यदाई संस्था डीपीआर की तैयारी में है। यहाँ 610 मीटर लम्बे पुल का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।

भूकटाव से राहत दिलाने की मांग

टनकपुर। शारदा नदी से लगातार हो रहे भूकटाव से पूर्णागिरी के उचौलीगोठ और गैड़ाखाली के ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों ने सीएम कैम्प कार्यालय में आकर प्रदर्शन किया और भूकटाव वाली जगहों का स्थलीय निरीक्षण कराकर सुरक्षात्मक उपाय करने की मांग की। ऐसा न होने पर आन्दोलन की चेतावनी दी।

अंकिता मामले में पर उठे सवाल, वो कह रहे हैं आरोप दुर्भावनापूर्ण

देहरादून। अंकिता हत्याकाण्ड में न्याय की आश करते हुए दो साल बीत चुके हैं। रिजोर्ट में एक बालिका की हत्या और उसके सबूत मिटाने के लिये हुए सारे कारनामों के साथ ही राजनीति भी चल रही है। इस प्रकरण पर पूरा विपक्ष सवाल उठा रहा है लेकिन सत्ता से जुड़े नेता आरोप लगाने को दुर्भावनापूर्ण बता रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि अंकिता प्रकरण में अब तक न्याय न मिलना इसे दबाने क कोशिश है। कहा अंकिता के माता-पिता और समूचा उत्तराखण्ड न्याय की मांग कर रहा है लेकिन सरकार इस चर्चित मामले को दबा रही है। जनता सीबीआई की मांग कर रही है लेकिन मामला आज तक फास्ट्रैक कोर्ट में तक नहीं है। दूसरी ओर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट कहते हैं कि अंकिता मामले में कांग्रेस के आरोप दुर्भावनापूर्ण हैं और यह दिवंगत आत्मा व परिजनों का भी अपमान है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस मामले में निश्चित रूप से न्यायिक प्रक्रिया से सभी दोषियों को दण्ड मिलेगा।

अंकिता हत्याकांड में नाम उजागर हों

देहरादून/नैनीताल। अंकिता भण्डारी हल्याकाण्ड के दो साल होने पर प्रदेश भर में जबर्दस्त प्रदर्शन हुए और इसमें शामिल वीआईपी का नाम उजागर करने और उन्हें कठोर सजा देने की मांग की गई। आश्चर्य इस बात का भी है कि अंकिता हत्याकाण्ड के मामले में जिस प्रकार से देहरादून में प्रदर्शन हुआ उसकी कबरेज मीडिया में उस प्रकार नहीं हो पाई जैसी होनी चाहिये थी। प्रदर्शनकारियों ने अपनी ओर से सोशल मीडिया पर इस प्रचारित किया।

हल्द्वानी में बुद्ध पार्क में मौन उपवास के बाद विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि अंकिता की मौत के दो साल हो गए हैं, भाजपा सरकार अभी भी वीआईपी का नाम सार्वजनिक करने और सीबीआई जाँच की बात पर मौन है। कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता अपने मौन से भाजपा को जगाने का प्रयास कर रही है। प्रदर्शन कारियों ने मौन उपवास करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। नैनीताल में प्रदर्शनकारियों ने सरकार से अंकिता हत्याकाण्ड में न्याय की मांग की। अल्मोड़ा में उपपा ने जुलूस निकालते हुए हत्यारों को फांसी देने की मांग की। पौड़ी में भी जबर्दस्त प्रदर्शन किया गया।

बिचला दानपुर के लोगों का प्रदर्शन

बागेश्वर। बिचला दानपुर के ग्रामीणों न मूलभूत समस्याओं को लेकर पदयात्रा निकालने के बाद कलक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। धरना दे रहे प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो भूख हड़ताल के साथ ही उग्र आन्दोलन होगा।

जिला पंचायत क्षेत्र शामा की समस्याओं को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीण मुख्यालय पहुँचे थे। उन्होंने कहा कि बीते दिनों शामा जिला पंचायत क्षेत्र के तीन गाँवों में नौ मकान ध्वस्त हुए हैं। आपदा मद में जो राशि मिल रही है उसमें शौचालय तक बनना मुश्किल है। उन्होंने सभी परिवारों को विस्थापित करने के साथ ही 15 से 20 लाख रुपये तक देने की मांग की। हामटीकापड़ी, लीती के कीमू तोक को विस्थापित करने, क्षतिग्रस्त आंगन व मकान ठीक करने, शामा-लीती, रिठकुला-गोगिना मार्ग को दुरुस्त करने की मांग की। भूपेन्द्र कोरंगा के नेतृत्व में यह प्रदर्शन किया गया।

कालिका मंदिर का सौन्दर्यीकरण होगा

गंगोलीहाट। हाट कालिका मन्दिर का 239 करोड़ और पाताल भुवनेश्वर गुफा का 96 लाख रुपये से सौन्दर्यीकरण किया जायेगा। मानसखण्ड मन्दिर माला मिशन के तहत इन धार्मिक पर्यटक स्थलों में सुविधाओं का विस्तार होना है। इससे रोजगार बढ़ने की बात कही जा रही है। कार्य के लिये लोक निर्माण विभाग को बजट मिल चुका है।

कार्यदायी संस्था लोनिवि के अनुसार सौन्दर्यीकरण के साथ ही यहाँ सुविधाओं का विस्तार होगा। इससे पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने के साथ ही रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सौन्दर्यीकरण के बाद इन दोनों धार्मिक पर्यटक स्थलों का नए स्वरूप में देखा जा सकेगा। बताया गया है कि हाट कालिका मन्दिर के सौन्दर्यीकरण के लिए 657 करोड़ के सापेक्ष 239.82 करोड़ रुपये, पाताल भुवनेश्वर के सौन्दर्यीकरण के लिये 239 करोड़ के सापेक्ष 96 लाख का बजट स्वीकृत हुआ है। दोनों धार्मिक स्थलों में कैफे, शौचालय, दुकान और प्रवेश द्वारों का निर्माण होगा। बताते चलें कि विश्वविख्यात हाट कालिका का आस्था का बड़ा केन्द्र है। इसके मूल स्वरूप को बने रहने देना चाहिये।

थल में महिला आन्दोलन की जीत हुई

थल। मुख्य बाजार में संचालित उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक की शाखा को उसी स्थान पर बनाए रखने के लिये महिलाओं द्वारा किया जा रहा आन्दोलन सफल रहा। फिलहाल बैंक शाखा शिफ्ट नहीं होनी है। 43 दिन तक लगातार जबर्दस्त आन्दोलन के बाद लीड बैंक अधिकारी ने मौके पर पहुँचकर महिलाओं से वार्ता की और लिखित आश्वासन दिया कि बैंक शाखा शिफ्त नहीं होगी।

थल मुख्य बाजार में संचालित ग्रामीण बैंक को शिफ्ट करने के विरोध में क्षेत्र की महिलाओं ने आन्दोलन करते हुए कहा कि था कि दूर दराज से बैंक आने वालों और बुजुर्गों की परेशानी देखते हुए शाखा को मौजूदा जगह पर ही रहने दिया जाए। आन्दोलन की जीत पर महिलाओं ने दोहराया कि यदि फिर से शिफ्ट करने की कोशिश हुई तो आन्दोलन होगा। वार्ता में शाखा प्रबन्धक विजय कुमार व जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

टेंपोचालक वर्दी और आईकार्ड में होंगे

हल्द्वानी। जिला प्रशासन ने बेटियों की सुरक्षा के लिये कवायद कते हुए स्कूल कालेज में छात्राओं के आने जाने के समय व अन्धेरे में पुलिस गश्त, अराजक तत्वों के खिलाफ अभियान चलाने के साथ ही टैम्पो चालकों के लिये एसओपी जारी की है। यह एसओपी छात्राओं के बताए सुझावों के आधार पर तैयार की गई है। जिलाधिकारी वन्दना सिंह की ओर से टैम्पो चालतों के लिऐ 5 सूत्रीय एसओपी जारी की है। उसमें पहले चरण में काठगोदाम-फतेहपुर-पंचायत घर-लालकुआ की परिधि के अन्तर्गत आने वाले टैम्पो चालकों का सत्यापन किया जायेगा। सत्यापन में सिटी मजिस्ट्रेट सम्बन्धित एसडीएम अध्यक्ष, एआरटीओ प्रवर्तन सचिव, सम्बन्धित सीओ, सम्भागीय निरीक्षक सदस्य होंगे। समिति की ओर से टैम्पो यूनियन के पदाधिकारी भी शामिल होंगे। इसके अलावा टैम्पो चालकों को परिचय पत्र पहनना होगा। इसके अलावा चालक को खाकी पेंट-कमीज, चार पॉकेट फ्लैग वाला कोट पहनेंगे। यात्रियों के साथ सभ्य व्यवहार होना चाहिये।

ब्लाक सभागार कुन्दन टोलिया के नाम पर हो

मुनस्यारी। विकास खण्ड सभागार में विधायक हरीश धामी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता व पूर्व ब्लाक प्रमुख स्व. कुन्दन सिंह टोलिया के नाम पर ब्लाक सभागार का नाम रखने का प्रस्ताव सीएम को भेजा गया। बैठक में एडवोकेट देवसिंह बोरा, तारा पांगती, देवेन्द्र सिंह, ईश्वर कोरंगा, हीरा चिराल आदि थे।

दारमा में भालूओं ने कुट्टू खेती बर्बाद की

धारचूला। दारमा घाटी के माइग्रेशन गाँवों में भालूओं ने किसानों की ओगल (कुट्टू) की खेती को बर्बाद कर दिया है। ग्रामीणोंने प्रशासन से मुआवजे की गुहार लगाई है। छोरी देवी बोनाल और कुंवर सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी से मिले। उन्होंने बताया कि भालूओं ने फसल को नुकसान पहुँचाया है। ग्रामसभा सीपू, गो, फिलम, बोन, दुग्तू, दातू, सोन, नागलिंग सहित अन्य गाँवों में भालूओं ने फसल को पूरी तरह नष्ट कर दिया है।

परिक्रमा

वन व नजूल भूमि पर अतिक्रमण रोकें

रुद्रपुर। जिलधिकारी उदयराज सिंह जिले में राजस्व, वन, नजूल, सड़क किनारे भूमि पर अतिक्रमण एवं कब्जे पर रोक लगाने के लिये कड़े कदम उठाने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रकार की भूमि पर अवैध कब्जे व बसावट से हो रहे जननांकीय बदलाव पर पैनी नजर रखते हुए तुरन्त कार्रवाई करें।

5 एकड़ भूमि कालेज को आवंटित

खटीमा। किराए के भवन में चह रहे महाराणा प्रताप राजकीय महाविद्यालय नानकमत्ता के लिऐ ग्राम सुनखरी कला में 5 एकड़ से अधिक की भूमि कालेज को आवंटित हो चुकी है। बजट मिलते ही भवन निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा। विधायक गोपाल सिंह राणा ने बताया कि विगत 3 वर्षों से कुमाऊँ मण्डल विकास निगम के नानकमत्ता भवन में कालेज चलाया जा रहा था।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सरकार! कृषि कार्यों को कैसे बढ़ावा मिलेगा

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

उत्तराखण्ड राज्य मुख्य रूप से तीन भागों में विभाजित है, तराई, भाबर और पहाड़ी, जिनमें से लगभग 86 प्रतिशत क्षेत्र पहाड़ों से घिरा हुआ है। राज्य की भौगोलिक स्थिति और विविध कृषि-जलवायु क्षेत्र के कारण, राज्य के अधिकांश हिस्सों में निर्वाह-खेती होती है। उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में 60-70 प्रतिशत भोजन का उत्पादन यहाँ के छोटे किसानों द्वारा किया जाता है, जो पारम्परिक खेती का पालन करते हैं और स्थानीय बाजार में अधिशेष उपज बेचते हैं।

यहाँ के किसान पारम्परिक तरीके से कई तरह की फसलों की खेती करते हैं, जिसमें मुख्य फसलें हैं जैसे मोटे अनाज (रागी, झुंगरा, कौणी, चीणा आदि), धान, गेहूं, जौ, दालें (गहत, भट, मसूर, लोबिया, राजमाश आदि), तिलहन, कम उपयोग वाली फसलें (चौलाई, कुटटू, ओगल, बथुआ, कद्दू, भंगीरा, जखिया आदि)। अधिकांश किसान इन फसलों की पारम्परिक भू-प्रजातियों का उपयोग करते हैं।

सरकार किसानों की आय को दोगुना करने के साथ ही प्रदेश में कृषि कार्यों को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है। इसके साथ ही किसानों के लिए तमाम योजनाएं संचालित कर रही है। जिससे किसान कृषि कार्यों से जुड़े रहें, लेकिन कृषि विभाग में प्रर्याप्त संख्या में सहायक कृषि अधिकारियों के न होने के चलते योजनाएं सही ढंग से धरातल पर नहीं उतर पा रही हैं। मौजूदा स्थिति यह है कि कृषि विभाग में सहायक कृषि अधिकारियों की बड़ी संख्या में पद खाली पड़े हुए हैं। जिस कारण विभागीय कार्य योजना प्रभावित हो रही है।

भले ही राज्य सरकार किसानों की आय को बढ़ाने और प्रदेश में कृषि कार्यों को बढ़ावा देने के लिए तमाम योजनाएं संचालित कर रही हो लेकिन बिना कृषि अधिकारियों के ये सम्भव नहीं है। कृषि अधिकारी किसानों, पशुपालकों, सहकारी समितियों और कृषि क्षेत्र के अन्य लोगों को न सिर्फ तकनीकी सहायता प्रदान करता है बल्कि सलाह भी देता है। जिससे फसलों का उत्पादन बढ़ाने के साथ ही उसकी गुणवत्ता को भी बेहतर किया जाता है लेकिन प्रदेश से तमाम जिलों में सहायक कृषि अधिकारियों के सैकड़ों पद खाली पड़े हुए हैं। उत्तराखण्ड के कृषि विभाग में सहायक कृषि अधिकारी वर्ग-1 में कुल 233 पद स्वीकृत हैं, जिसमें से 188 पदों पर अधिकारी तैनात हैं, जबकि 45 पद खाली पड़े हुए हैं। सहायक कृषि अधिकारी वर्ग-2 में कुल 404 पद स्वीकृत हैं। जिसमे से 177 पदों पर अधिकारी तैनात हैं, जबकि 227 पद खाली पड़े हुए हैं। इसी क्रम में सहायक कृषि अधिकारी वर्ग-3 में कुल 483 पद स्वीकृत हैं। जिसमें से 117 पदों पर अधिकारी तैनात हैं। 366 पद खाली पड़े हुए हैं। यानी कृषि विभाग में सहायक कृषि अधिकारियों के कुल 1120 पद स्वीकृत हैं। जिसमें से मात्र 482 पदों पर ही अधिकारी तैनात हैं। 638 पद अभी भी खाली पड़े हुए हैं।

कृषि मंत्री कहते हैं- उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की ओर से साल 2023 में कृषि विभाग के समूह- ग के खाली पड़े 354 पदों के लिए भतह्न की गई थी, लेकिन हाईकोर्ट के एक आदेश की वजह से भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। ऐसे में हाईकोर्ट ने कृषि विभाग समेत अन्य विभागो के समूह-ग के खाली पड़े पदों को भरने की अनुमति दे दी है। लिहाजा जल्द ही लोक सेवा आयोग के माध्यम से खाली पड़े पदों को भर दिया जाएगा।

किसी समय उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की भू-प्रजातियाँ बोई जाती थी लेकिन वर्तमान में इन प्रजातियों के बीजों की अनुपलब्धता के कारण कई प्रजातियां विलुप्त हो गई हैं। जलवायु परिवर्तन के साथ, अधिकांश सदस्य नौकरियों और शिक्षा की तलाश में शहरों की ओर पलायन कर गए हैं। अधिकांश किसान जलवायु परिवर्तन और जंगली जानवरों जैसे बन्दर और जंगली सूअर से फसलों को नुकसान के कारण खेती छोड़ रहे हैं। यह देखा गया है कि आनुवंशिक क्षरण मुख्य रूप से जंगली पशुओं के खतरे के कारण होता है। उनके पास छोटी भूमि जोत है और अधिकांश क्षेत्र इन दिनों बंजर है क्योंकि उपरोक्त मुद्दे श्रम की कमी के साथ जुड़े हैंपिछले वर्षों में, वनों की कटाई में वृद्धि हुई है, जिसके कारण जंगली जानवर अब भोजन की तलाश में खेतों में आ रहे हैं, जिससे फसलों को बहुत नुकसान होता है। इस कारण से किसान पारम्परिक बीजों को छोड़कर उन्नत किस्मों के बीज का उपयोग कर रहे हैं, जिन्हें बोना अपेक्षाकृत आसान है। हालांकि खेतों में फसलों की भूमि की विविधता को बनाए रखने से किसानों और समाज को सार्वजनिक प्रोत्साहन मिलता है।

उत्तराखण्ड राज्य निर्वाह कृषि का पालन करता है, जहाँ खाद्य जरूरतों को कृषि उपज के साथ पूरा किया जाता है और इस प्रकार फसलों और उनके भू-प्रजातियों के विविधीकरण को हमेशा से ही प्राथमिकता दी गई है। किसानों ने विशेष रूप से धान, मंडुआ, झुंगरा, काला भट्ट, गहत, उड़द, जौ, तिल, चैलाई, स्थानीय फल, सब्जियां आदि फसलों की पारम्परिक भू-प्रजातियों को अच्छी तरह से संरक्षित किया है। ये प्रजातियाँ उनके दैनिक भोजन और संस्कृति का एक अभिन्न अंग हैं, जो इस क्षेत्र को एक खाद्य सम्प्रभु बनाने में विशेष योगदान देते हैं। हालाँकि जलवायु परिवर्तन के वर्तमान परिदृश्य में प्रवासन के साथ-साथ स्थानीय कृषि-जैव विविधता के लिए खतरा पैदा हो गया है और इस तरह कृषि संरक्षण को उस समय की आवश्यकता है। जहाँ वैज्ञानिक सहयोग के साथ-साथ किसान भागीदारी प्रभावी संरक्षण की ओर ले जा सकती है। कई समस्याओं के कारण स्थानीय कृषि-जैव विविधता के लिए खतरे ने विभिन्न वैज्ञानिक और सरकारी संस्थानों का ध्यान आकर्षित किया है और उत्तराखण्ड की पहाड़ियों में फसलों की आनुवंशिक परिवर्तनशीलता को बहाल करने के लिए अब इन पारम्परिक भू-प्रजातियों को मुख्यधारा में लाने पर जोर दिया गया है।

भारत विश्व व्यापार संघ का सदस्य रहा है, जो किसानों और किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए 'पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम 2001' के तहत स्वयं की एक अनूठी प्रणाली को अनुमोदित करता है। बौद्धिक सम्पदा के अधिकार के तहत स्थानीय विविधता को संरक्षित करने, स्थानीय कृषि विविधता के बेहतर आदान-प्रदान और उनके विकास के अधिकारों का ख्याल रखने के साथ यह अधिनियम किसानों के अधिकारों के उद्देश्य को एक अनोखे तरीके से पेश करता है। भारत सरकार ने इस बारे में एक पहल की है और पारम्परिक फसलों की स्थानीय किस्मों की खेती को बढ़ावा देने के लिए कई परियोजनाओं को लागू किया गया है। किसानों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रेरित किया जा रहा है और भा.कृ.अनु.प.- एनबीपीजीआर (राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो) स्थानीय कृषि समुदायों और फॉडिंग एजेंसियों की मदद से कृषि संरक्षण को बढ़ावा देकर क्षेत्र की फसलों की विविधता का संरक्षण करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में, यूएनईपी-जीईएफ के समर्थन के साथ बायोवेसिटी इंटरनेशनल ने आईसीएआर-एनबीपीजीआर के साथ मिलकर कृषि संरक्षण पर एक परियोजना को लागू किया है, जहाँ विभिन्न परीक्षणों के माध्यम से किसान के खेतों में स्थानीय विविधता को फिर से प्रस्तुत किया गया है और किसानों को अपनी पुरानी किस्मों को उगाने के लिए प्रेरित किया गया है जैसा कि वे अपने पुराने पूर्वजों द्वारा सदियों से अपने पूर्वजों द्वारा खेती की गई भूमि के महत्व को समझते हैं। वे अब अपनी पुरानी किस्मों को परम्परागत रूप से खेती करने के लिए स्व-प्रेरित हैं क्योंकि आधुनिक किस्मों को पशु क्षति, विभिन्न जैविक और अजैविक तनावों से गम्भीर नुकसान हुआ है।

डीएम की दोटूक सड़क चौड़ीकरण होगा

हल्द्वानी में व्यापारी नेताओं को उन्हीं का दिया ज्ञापन सुनाकर चित कर दिया

हल्द्वानी। शहर को नये तरीके से सजाने के शासन-प्रशासन के अभियान में दुकानों की तोड़फोड़ तय है। वर्षों से मुख्य बाजार में दुकान सजाए व्यापारी अपने कारोबार को लेकर चिन्तित हैं लेकिन व्यापारी से ज्यादा व्यापारी नेता अपने ही जाल में फंसते दिखाई दे रहे हैं। मंगल पड़ाव से लेकर रोडवेज तक 101 सरकारी व गैरसरकारी सम्पत्तियों के ध्वस्त किये जाने की हवा लगते ही व्यापारियों में उबाल आना स्वाभाविक था और वह आन्दोलन करने लगे। प्रशासन ने सारी तैयारी पहले से कर ली है।

बीते दिवस व्यापारी नेता फिर से डीएम वन्दना सिंह की सभा में अपनी बात लेकर पहुँच गये कि सड़क चौड़ीकरण में राहत दी जाए। इस पर जिलाधिकारी ने व्यापारियों को उन्हीं का दिया हुआ ज्ञापन सुनाकर चित कर दिया। व्यापारियों ने अधिशासी अभियन्ता को को ज्ञापन दिया था जिसमें उन्होंने फ्लाईओवर का विरोध करते हुए सड़क चौड़ीकरण की मांग की थी। डीएम ने व्यापारियों को उन्हीं का ज्ञापन सुनाते हुए सड़क चौड़ीकरण मामले में किसी भी प्रकार की राहत देने से इन्कार कर दिया।

डीएम एचएन इण्टर कालेज में जल सम्वाद एवं जन समस्या समाधान शिविर में मौजूद थीं। इस बीच प्रान्तीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के जिलाध्यक्ष विपिन गुप्ता के नेतृत्व में दर्जनभर से अधिक व्यापारी मंगल पड़ाव से रोडवेज तक दोनों तरफ 15-15 मीटर सड़क चौड़ीकरण के विरोध में पहुँचे और चौड़ीकरण का दायरा 10-10 मीटर करने की मांग करने लगे। जिस पर डीएम ने कहा ऑफिशियल रिकॉर्ड बन चुका है। बरा-बार यहाँ-वहाँ झूलने से 15, 13, 10 मीटर नहीं हो सकता है। डीएम ने कहा व्यापारियों को फ्लाईओवर, रिंग रोड, सड़क चौड़ीकरण नहीं चाहिये तो विकास कैसे होगा?

टनकपुर डिग्री कालेज आंखिर रूसा का मामला क्या है?

टनकपुर। राजकीय महाविद्यालय की उन्नति को लेकर सन्देह होने लगा है क्योंकि मुख्यमंत्री विधानसभा क्षेत्र और सीएम कैम्प कार्यालय की नाक के नीचे इस कालेज में जिस प्रकार से माहौल बन चुका है वह सवाल ही सवाल है। बताते चलें कि छात्रों के आन्दोलन के बाद विगत दिनों में भूगोल के शिक्षक महेन्द्र सिंह चौहान को तत्काल यहाँ से हटाया गया। इसी समय छात्रों ने मुख्य शास्ता सुनील कुमार कटियार को मुख्य शास्ता पद से हटाने की बात कही। उन्हें भी कालेज प्रशासन ने पद से हटाते हुए वरिष्ठ शिक्षक अब्दुल शाहिद को यह दायित्व दिया। मामला अभी भी गर्माया हुआ है क्योंकि रूसा मद से टनकपुर कालेज में जो कार्य हुए उसका चार्ज लेने में सभी बच रहे हैं। बताया जाता है कि रूसा मद से मोटी धनराशि शासन से आई जिसमें वाणिज्य संकाय बना और कई तरह के समान की खरीद-फरोख्त की गई। बताया जा रहा है कि इसके चार्ज पर रहे व्यक्ति की पूर्व प्राचार्य द्वारा भी शिकायत की गई थी। मामला शासन तक गरमाया हुआ है।

बुग्यालों का संरक्षण न होने से आपदा में वृद्धि

महाविद्यालय तलवाड़ी में दो दिवसीय सेमिनार में पद्मश्री कल्याण सिंह रावत

थराली। पद्मश्री कल्याण सिंह रावत मैंती ने सुरक्षित भविष्य के लिए पहाड़ों पर स्थित बुग्यालों के संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि बुग्यालों का संरक्षण नहीं होने पर निश्चित ही प्राकृतिक आपदाओं में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि बुग्यालों के संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आने वाले वर्ष से 2 सितम्बर को बुग्याल संरक्षण दिवस मानने की घोषणा की है।

राजकीय महाविद्यालय तलवाड़ी में पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य के लिए जैव सक्रिय यौगिकों की आपूर्ति के रूप में पौधों की जैव विविधता विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में बतौर मुख्य वक्ता पद्मश्री कल्याण सिंह रावत ने कहा कि देश की अधिकांश नदियों का उद्गम ग्लेशियरों से है। उत्तराखण्ड के परिप्रेक्ष्य में तो लगभग सभी नदियों की जननी ग्लेशियर ही हैं किन्तु जिस तेजी के साथ ग्लेशियर पिघल रहे है। वह आने वाले समय के लिये एक बड़े संकट की ओर इशारा कर रहे हैं।

श्री रावत ने ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए पेड़े, पौधों के संरक्षण के साथ ही पौधारोपण कर उन्हें संरक्षित करने, बुग्यालों को बचाने के ठोस उपाय करने की पहल करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर उन्होंने मैंती आन्दोलन पर चर्चा करते हुए कहा कि आज इस आन्दोलन को विश्व के कई देश अपनाए हुए हैं जो कि आन्दोलन की सार्थकता की ओर संकेत कर रहे हैं। उन्होंने इस आन्दोलन को जन-जन का आन्दोलन बनाने के लिए आगे आने की भी अपील की। सेमिनार का उद्घाटन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग के प्राचार्य डॉ.बी.एन.खाली ने करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को पौधारोपण के आगे आना होगा। तलवाड़ी कालेज में प्राचार्य डॉ.योगेन्द्र चन्द्र सिंह व संयोजक डॉ.प्रतिभा कार्य ने विचार रखे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

शारदीय नवरात्रि
की हार्दिक
शुभकामनाओं
के साथ-

जैकिशन सर्राफ

मेन बाजार
टनकपुर (चम्पावत)

हमारे यहाँ
सोने व चाँदी के
आभूषण तैयार मिलते हैं।

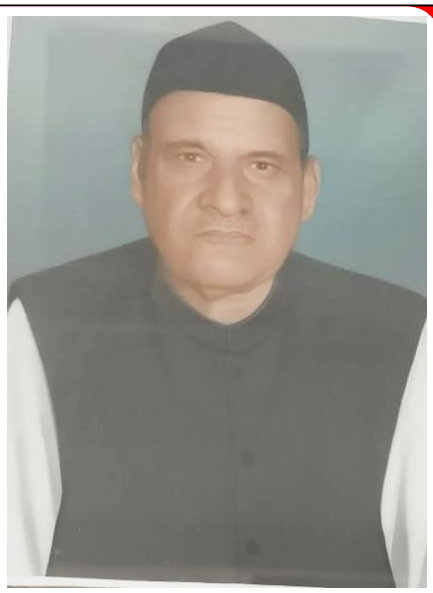

स्व.-27.8.2005
स्व.लाला जैकिशन सर्राफ

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत
होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
मो.- 9458920379, 6396098804
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
नरेन्द्र सिंह रावत 7351285555

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From
Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल
9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)